मानव कल्याण में ब्लड बैंक की महती भूमिका - श्री जय सिंह जी, औषधि निरीक्षक

रक्त ही जीवन, बिना रक्त के जीवन असंभव - डॉ. प्रशांत पांडेय जी, विशेषज्ञ, रक्ताधान

- विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में रक्तदान शिविर का आयोजन

गोरखपुर, 14 जून। आज विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर गोरखपुर स्थित गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में बृहद रक्तदान शिविर एवं रक्तदान सम्मान समारोह आयोजित हुआ, जिसमें नगर वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विशेषज्ञ गण ने रक्तदान से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। इसके पूर्व मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्री जय सिंह जी, औषधि निरीक्षक, गोरखपुर ने कहा कि ब्लड बैंक से आम जनमानस को लाभ मिलता है। मानव कल्याण हेतु नियमों का पालन करते हुए ब्लड बैंक अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक होने के परिणामत: रक्त की कमी सुगमतापूर्वक पूर्ण हो जाती है।

नियमों का उल्लंघन कर न करें ब्लड आदान-प्रदान

श्री सिंह जी ने हिदायत दी कि नियमों का उल्लंघन करके ब्लड आदान-प्रदान करने से बचें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष मानव कल्याण के मार्ग पर चलते हुए जन सेवा का अप्रतिम माध्यम बना है। यहां सभी सुविधाएं उलब्ध हैं।

हमारा रक्त किसी के जीवन की रक्षा करे, इससे उत्तम कुछ नहीं

आभासी रूप से नोएडा से जुड़े मुख्य वक्ता डॉ. प्रशांत पांडेय जी, विशेषज्ञ, रक्ताधान ने कहा कि रक्त ही जीवन है। बिना रक्त के जीवन असंभव है। रक्त के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए उन्होंने कहा कि रक्त एक जीवित पदार्थ होता है, जिसके जीवन काल 120 दिन होता है।

श्री पांडेय जी ने कहा कि हमारा रक्त किसी के जीवन की रक्षा करे, इससे उत्तम कुछ नहीं हो सकता। रक्तदान से रोगियों की प्राणों की रक्षा तो होती ही है, साथ में रक्तदाता का शरीर भी स्वस्थ होता है।

अन्य देशों की तुलना में भारत में रक्त की भारी कमी

आभासी रूप से जुड़े विशिष्ट अतिथि श्री ए.के. पांडेय जी, पूर्व औषधि नियंत्रक, उ.प्र. ने रक्तदान के संदर्भ में वैश्विक तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अन्य देशों की तुलना में भारत में रक्त की भारी कमी है। हमारे देश में लगभग 1.20 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है, जबकि इसका आधा ही आपूर्ति हो पाती है। उन्होंने अपील की कि रक्तदान अवश्य करें।

रक्तदान से नहीं होती कोई बीमारी या कमजोरी

पूर्व औषधि नियंत्रक श्री ए.के. पांडेय जी ने अपने संबोधन में रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि कुछ लोगों में भ्रांतियां हैं कि इससे कमजोरी व बीमारी हो जाती है, जो सत्य नहीं है। यद्यपि लोगों में जागरूकता आई है।

स्वागत भाषण में चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ कामेश्वर सिंह ने विश्व रक्तदान दिवस के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि 14 जून आते ही हमारे दिमाग में रक्तदान करने की इच्छा जाहिर होती है। कि अब से हर वर्ष रक्तदान करेंगे, लेकिन 14 जून के बीतते ही भूल जाते हैं। अत: लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

चिकित्सकीय बैठकों में सम्मिलित होने विदेश प्रवास पर गए ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल जी ने आभासी रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष का थीम 'Donating blood is an act of solidarity. Join the effort and save lives' है।

इस अवसर पर ब्लड बैंक के टेक्निकल सुपरवाइजर श्री अमित मिश्रा जी ने रक्तदान से संबंधित तकनीकी जानकारी के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में श्री पी.के. मल्ल जी, डॉ. अभिषेक जी, श्रीमती प्रतिमा अग्रवाल जी, राधा अग्रवाल जी, संगीता अग्रवाल जी सहित 100 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में स्व रक्तदाताओं को सम्मान पत्र भेंट करके सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में ब्लड बैंक अधिकारी डॉ ममता जायसवाल ने मुख्य अतिथि गण, स्वरक्तदाताओं तथा नगर के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में नगर के सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे।